एनआईसी तेलंगाना : साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला – 2026

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), तेलंगाना राज्य केंद्र, हैदराबाद ने **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सेवा निगमित (एनआईसीएसआई)** के सहयोग से **14 अक्टूबर 2026** को **सम्मेलन कक्ष, बीआरकेआर भवन, हैदराबाद** में एक **साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला** का आयोजन किया।

यह कार्यशाला सरकारी अधिकारियों के बीच उभरते हुए **साइबर खतरों, साइबर सुरक्षा चुनौतियों, निवारक उपायों, साइबर स्वच्छता और सरकारी आईटी अवसंरचना, अनुप्रयोगों और डिजिटल सूचना संपत्तियों की सुरक्षा** के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित की गई थी।



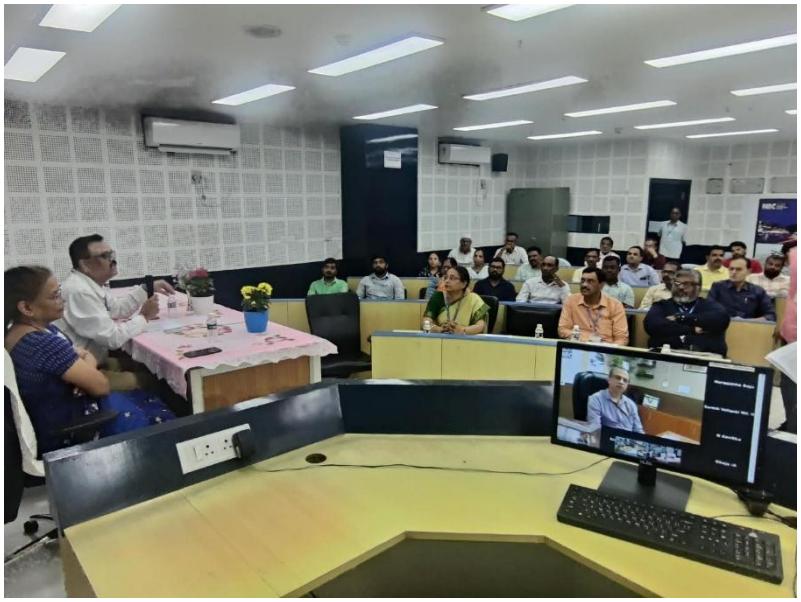
एन.आई.सी.एस.आई. तेलंगाना के महाप्रबंधक श्री ए. मारुति कुमार ने सभी विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यशाला के लिए संदर्भ तैयार किया।








अपने स्वागत भाषण में, **श्री गुंटुकु प्रसाद, एन.आई.सी.-तेलंगाना के डी.डी.जी. और एस.आई.ओ.** ने **साइबर जागरूकता** के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को कार्यालय के माहौल में सुरक्षित और संरक्षित डिजिटल संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक साइबर सुरक्षा प्रथाओं का पालन करने पर प्रकाश डाला।



श्री वी.टी.वी. रमण, डीडीजी, जी.सी. और एन.आई.सी. राज्य समन्वयक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया और साइबर सुरक्षा पर बहुमूल्य जानकारी साझा की, जिसमें निरंतर सतर्कता, जागरूकता और डिजिटल संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया गया।



एन.आई.सी.एस.आई. के प्रबंध निदेशक ने भी **वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से** इस अवसर की शोभा बढ़ाई और साइबर सुरक्षा और सरकारी संगठनों में साइबर सुरक्षा जागरूकता को मजबूत करने के महत्व पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।



श्रीमती अनुराग्माई, डीडीजी और प्रोजेक्ट सारथी (ई-ट्रांसपोर्ट) की प्रमुख ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और विभिन्न साइबर सुरक्षा खतरों और घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए व्यावहारिक केस स्टडी प्रस्तुत किए, जिससे साइबर खतरों की प्रकृति और उन्हें कम करने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में उपयोगी जानकारी मिली।



हैदराबाद के खैरताबाद जोन की पुलिस उपायुक्त, श्रीमती के.शिल्पावल्ली, आईपीएस ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेने वालों को साइबर अपराध की वास्तविक घटनाओं और पुलिस के साथ दर्ज किए गए मामलों के वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ संबोधित किया। उन्होंने नागरिकों और सरकारी अधिकारियों द्वारा साइबर अपराधों को रोकने और ऑनलाइन धोखाधड़ी और अन्य साइबर खतरों से खुद को बचाने के लिए की जाने वाली विभिन्न सावधानियों के बारे में भी बताया।



एनआईसी-तेलंगाना की साइबर सुरक्षा प्रभाग की प्रमुख श्रीमती एम.कविता ने **श्रीमती श्रीलता गोरला, वैज्ञानिक-डी** और **श्री काशी विश्वनाथ केथिनेनी, वैज्ञानिक-डी** के साथ तकनीकी सत्र आयोजित किए। तकनीकी सत्रों में **साइबर सुरक्षा जागरूकता, साइबर स्वच्छता, सामान्य साइबर खतरों, निवारक उपायों और एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सुरक्षा प्रथाओं को मजबूत करने के महत्वपूर्ण पहलुओं** को शामिल किया गया।



कार्यशाला में एक **इंटरैक्टिव क्विज़ और प्रश्नोत्तर (क्यू एंड ए) सत्र** भी शामिल था, जिसने प्रतिभागियों को अपनी समझ का परीक्षण करने और साइबर सुरक्षा पर अपनी जिज्ञासाओं को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया। क्विज़ के विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया और प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए।




















psr
HLBS

कार्यशाला का समापन **श्री जी. श्रीकांत, ए.एस.आई.ओ., एन.आई.सी.-तेलंगाना** द्वारा **धन्यवाद ज्ञापन** के साथ हुआ, जिसमें सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं, संकाय सदस्यों, आयोजकों और प्रतिभागियों को उनके बहुमूल्य योगदान और सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया गया।

विभिन्न राज्य सरकार विभागों के लगभग **65 अधिकारियों** ने एनआईसी से **एचओडी/ओआईसी (10)** और **भारतवीसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** के माध्यम से शामिल हुए **20 अन्य अधिकारियों** ने कार्यशाला में भाग लिया और लाभान्वित हुए। अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और बातचीत ने **कार्यक्रम को साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और सरकारी संगठनों में साइबर सुरक्षा की संस्कृति को मजबूत करने** की दिशा में एक सार्थक और सफल पहल बना दिया।





कुल मिलाकर, **साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला 2026** सफलतापूर्वक आयोजित की गई और सरकारी अधिकारियों के बीच जागरूकता पैदा करने, व्यावहारिक अनुभवों को साझा करने और सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य किया।



****